राष्ट्रीय सहारा उर्दू

२२ नवम्बर २००८

आर.एस.एस. के सरसंघचालक के.एस. सुदर्शन का मानना है कि "हिन्दुस्तान हिन्दू राष्ट्र है"

अज़ीज बर्नी,

सेवा इण्टरनैशनल यू.के. (ब्रिट्रेन)

अब नयी पहल 'सेवा इण्टरनैशनल के नाम से बनाई गई एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है जिसकी शाखाऐं कई देशों में हैं। सेवा इण्टरनैशनल न केवल इन देशों में (आर.एस.एस. द्वारा उपलब्ध कराई गई) सेवाओं के संबंधित कार्यों की निगरानी करेगी,जहां पर उसकी शाखाऐं हैं अपितु संघ (आर.एस.एस.) के विचारों पर आधारित सेवा कार्यों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर करेगी।

हिन्दू स्थान 'हिन्दू राष्ट्र' है : के.एस. सुदर्शन

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आर.एस.एस.) के सरसंघ चालक (प्रमुख नेता) श्री के.एस.सुदर्शन ने संघ स्वयं सेवकों (आर.एस.एस. कार्यकर्ताओं) द्वारा अपनाये जाने वाले क्रमबद्ध कार्यों की रूपरेखा तैयार की है ताकि इसके द्वारा गांव के प्रत्येक नागरिक तक अनेक विकास कार्यों द्वारा पहुंचा जा सके और उन्हें इस संस्था से जोड़ा जा सके...... सरसंघ चालक (आर.एस.एस. प्रमुख) ने देश के दूरस्थ क्षेत्रों में संघ (आर.एस.एस.) के नेटवर्क को फैलाने की आवश्यकता पर अधिक बल दिया है। उन्होनें इस बात को चिन्हित किया कि कई राजनीतिक दल इस बात के महत्व को अनुभव कर रहे हैं कि हिन्दू संगठित हो रहे हैं, जिससे अंततः देश की राजनीतिक स्थिति को बदला जा सकता है।

सेवा इण्टरनैशनल ब्रिट्रेन (SIUK) की स्थापना 1991 में हुई, हिन्दू स्वयं सेवक संघ की 'सेवा परियोजना' है एवं आर.एस.एस. की ब्रिटेन शाख है। SIUK कम समय में ही एक अत्याधिक ख्यातिप्राप्त संस्था बन चुकी है जो फण्ड एकत्रित करने का कार्य करती है जिसके संबंध में इसका कथन है कि इस फण्ड को भारत में कल्याणकारी, शैक्षिक एवं विकास के कार्यों में प्रयोग किया जाता है। यह दावा करती है कि ये संस्था नस्ल, धर्म व

राजनीतिक के भेदभाव के बिना मानव विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह अपने संबंध में कहती है कि इसका कार्य मानव विकास कार्य करना और भारत में शिक्षा, दरिद्रता और प्राकृतिक आपदाओं पर अपनी दृष्टि केन्द्रित रखना है। इसे बड़े स्तर पर एक भारतीय या हिन्दू चैरिटी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। SIUK को शाही परिवार, सांसदों और काउंसलरों, लार्ड मेयरर्स, कई स्थानीय संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं, बड़ी कम्पनियों, विख्यात लोगों, स्वयं सेवक और सामुदायिक दलों और दक्षिण एशियाई सम्प्रदायों के सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। 2001 का विनाशकारी भूकम्प, जिसका केन्द्र गुजरात था, के बाद ब्रिट्रेन में SIUK को बहुत कवरेज दिया गया। इस संस्था ने बताया कि गुजरात के भूकम्प पीड़ितों को राहत देने, उनके पुनर्वास और निर्माण कार्यों के लिए उसने 43 लाख पौण्ड एकत्रित किये। भारत में विभिन्न अन्य सेवाओं हेतु एवं शैक्षणिक क्रियाकलापों के प्रसार हेतु भी उसने बहुत धन एकत्रित किया। SIUK कोई चैरिटी नहीं है फिर भी वह आम लोगों से धन एकत्रित करने हेतु HSS UK के चैरिटी रजिस्ट्रेशन नं0 (267309) का प्रयोग करती है। यह एक लिमिटेड कम्पनी भी है (कम्पनी नं0 04482628 है, जिसने 11 जुलाई 2002 से कार्य प्रारम्भ किया।) कम्पनी का रजिस्टर्ड पता HSS Uk का Liecester कार्यालय है।

हमारी चर्चा का विषय यह नहीं है कि क्या SIUK ने भारत में सेवा कार्यों के लिए धन उपलब्ध कराया है या नहीं अथवा उसने लोगों को लाभ पहुंचाया है या नहीं? SIUK के आर्थिक लेन देन का तरीका भी हमारी चर्चा से बाहर है। हमने इस रिपोर्ट में यह दिखाने का प्रयास किया है कि SIUK का बुनियादी उद्देश्य भारत में आर.एस.एस. के कार्यकलापों के प्रसार के लिए ब्रिट्रेन से फण्ड एकत्रित करना है ताकि भारतीय समाज में, लम्बे समय से चल रही आर.एस.एस. की राजनीतिक और साम्प्रदायिकता पर आधारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु, आर.एस.एस के उग्रवादी विचारों के जाल को फैलाया जा सके। SIUK की स्थापना केवल इस लिए की गई थी ताकि आर.एस.एस. से जुड़ी स्पष्ट और भेदभाव पूर्ण संस्थाओं के राजनीतिक परिवार के लिए फण्ड एकत्रित किया जा सके। SIUK का अधिकतर प्रयास आर.एस.एस. के उग्रवादी उद्देश्यों का प्रसार करना है। SIUK का एक नारा है 'मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है' हमारी नज़र में इसका सही नारा यह होना चाहिए 'हिन्दू राष्ट्र के निर्माण हेतु आर.एस.एस सर्विस नेटवर्क के लिए फण्ड एकत्रित करना।'

दिसम्बर 2002 में चैनल 4 न्यूज़ की एक रिपोर्ट, जिसमें कहा गया था कि SIUK ने 'वनवासी कल्याण आश्रम (VKA)' नामक संस्था के लिए फण्ड एकत्रित किया था जबकि यह संस्था गुजरात नरसंहार में सीधे रूप में संलिप्त थी इसके जवाब में HSS UK एवं SIUK का कथन था:

''HSS एवं सेवा इण्टरनैशनल इन सभी आरोपों से इंकार करती है और पूरी तन्मयता के साथ चैरिटी कमीशन को सहायता देने का कार्य जारी रखेगी ताकि स्वयं पर लगे संक्रीण दृष्टि के आरोपों को दूर कर सके। HSS एवं सेवा इण्टरनैशनल पूरे विश्वास और बिना किसी परिवर्तन के यह ब्यान जारी करती है कि यह संस्था मानव सेवा और पुनर्वास के कार्यों के अतिरिक्त किसी और कार्य के लिए फण्ड नहीं देती। सीधे या किसी अन्य रास्ते से साम्प्रदायिक हिंसा में विश्वास रखने वाली किसी भी संस्था को सेवा इण्टरनैशनल ने कभी कोई राशि नहीं दी है। वर्तमान सूचानाओं, जो पूणर्तः गुजरात दंगों पर आधारित हैं इनका सम्बंध किसी भी प्रकार से सेवा इण्टरनैशनल द्वारा संचालित राहत कार्यों अथवा योजनाओं से नहीं है।''

HSS/SIUK ने इन आरोपों को रद्द कर दिया कि उनका उद्देश्य घृणा और हिंसा को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को फण्ड उपलब्ध कराना है। इस प्रकार का इन्कार कर देना काफी आसान है। लेकिन चैनल 4 द्वारा लगाये गये आरोपों की गंभीरता को देखते हुए HSS/SIUK ने इस तथ्य ने इन्कार नहीं किया कि जिन संस्थाओं को वह धन उपलब्ध कराते हैं अथवा जिनकी सहायता करते हैं, वह घृणा या हिंसा फैलाने में संलिप्त नहीं हैं। HSS/SIUK का यह भी कहना है कि गुजरात में 2002 में होने वाले दंगों, जिसमें VKA (वनवासी कल्याण आश्रम) सीधे संलिप्त था, इसका इन कार्यों से कोई संबंध नहीं है जिसे VKA संचालित करता है अथवा उनका समर्थन करता है। HSS/SIUK ने इस महत्वपूर्ण तथ्य से भी इन्कार नहीं किया कि VKA हिंसात्मक गतिविधियों में संलिप्त नहीं था। हम इस बात को इत्तफ़ाक़ नहीं मानते कि भारत के दो राज्य, जहां पर हिन्दुत्व नेटवर्क, घृणा और हिंसा का प्रसार मौजूदा कुछ वर्षों में अत्याधिक तेजी से हुआ है, वहां पर प्राकृतिक और मानवीय आपदायें एक साथ आयीं (2001 में गुजरात का भूकम्प, 1999 में उड़ीसा का समुद्री तूफान) जिसके बाद मानवीय सहायता के नाम पर हिन्दुत्व संस्थाओं को बड़े-बड़े फण्ड उपलब्ध कराये गये।

HSS UK के पूर्व फुलटाइम वर्कर राम वेदय, वरिष्ठ आर.एस.एस कार्यकर्ता और मीडिया प्रवक्ता एम.जी.वेदय के दो बेटों में से एक ने 1999 में HSS UK के कार्य की समीक्षा करने और यूरोप में HSS के प्रसार एवं उसके क्रियाकलापों को दृढ करने हेतु ब्रिट्रेन भ्रमण किया था। कोएनट्री में 13 मई 2001 को HSS UK की सेन्ट्रल एग्ज़ीक्यूटिव कमेटी के समक्ष अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए राम वेदय ने गुजरात भूकम्प में SIUK के कार्य से सम्बंधित सिफारिशें पेश की थीं जिसमें HSS की फ़िज़ीकल और विचारधारात्मक ट्रेनिंग सेल्स (शाखाओं) और चैरिटेबिल कार्यों को करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

VHP UK की मानचस्टर ब्रांच के न्यूज़ लैटर में कहा गया है कि 'सेवा इण्टरनैशनल (ब्रिट्रेन), हिन्दू स्वयं सेवक संघ (ब्रिट्रेन) की सेवा परियोजना है, जो भूकम्प पीड़ितों को सहायता देने के लिए भारत में RSS और VHP के साथ मिल कर कार्य कर रहा है।' भूकम्प से संबंधित कार्य के सम्बंध में SIUK की वार्षिक रिपोर्ट में एक समर्थन सन्देश श्री के.एस.सुदर्शन का भी प्रकाशित हुआ है जो भारतीय आर.एस.एस के प्रमुख नेता हैं।

SIUK के उपाध्यक्ष ने आर.एस.एस के दो वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिल कर 2001 के गुजरात भूकम्प पर एक रिपोर्ट भी लिखी है इसमें आर.एस.एस और उसके सदस्यों की सराहना की गई है और कहा गया है कि:

''आर.एस.एस शाखाओं द्वारा स्वयं सेवकों (आर.एस.एस सदस्यों) को जो ट्रेनिंग दी जा रही है उसकी उपेक्षा करना पूर्णतः असंभव है। प्राकृतिक या अन्य आपदाओं के समय इन प्रशिक्षित स्वयं सेवकों को जिस प्रकार की चुनौतियों का सामना होता है वह इनके लिए वास्तव में परीक्षा की घड़ी होती है। गुजरात के भयानक भूकम्प के बाद परेशानी के हालात में स्वयं सेवकों (आर.एस.एस सदस्यों) और कार्यकर्ताओं (आर.एस.एस कार्यकर्ताओं) द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से निमटने की जो निपुणता दिखाई गई, वह सराहनीय तथा अध्ययन योग्य है।''

SIUK : आर.एस.एस हिन्दुत्व मिशन का एक अंग

2002 में दिये गये एक इन्टरव्यु में SIUK के उपाध्यक्ष ने इस बात से इन्कार किया कि इस संस्था को आर.एस.एस. से किसी प्रकार का 'समर्थन' प्राप्त है। लेकिन यह इन्टरव्यु आर.एस.एस की भारत से प्रसारित होने वाली साप्ताहिक पत्रिका 'आर्गेनाइजर' में प्रकाशित हुआ था। वास्तव में भारतीय आर.एस.एस SIUK को अपने कार्य और मिशन का बुनियादी अंग मानती है। SIUK और भारतीय आर.एस.एस. के बीच बहुत मज़बूत संबंध हैं जो कुछ इस प्रकार हैं:

- SIUK और RSS के मध्य सीधे संबंध
- HSS UK और RSS के मध्य मज़बूत संबंध
- भारत में RSS सेवा शाखा के सेवा भारती के साथ संबंध।
- सेवा इण्टरनैशनल इण्डिया के साथ संबंध, जो RSS और VHP की परियोजनाओं हेतु फण्ड एकत्रित करने और उनके प्रसार के कार्य में सहायता प्रदान करती है।
- SIUK और RSS से जुड़ी अन्य संस्थाओं के साथ बहुत से अन्य संबंध।

भारत के पूर्व आर.एस.एस प्रमुख राजेन्द्र सिंह ने 24 अप्रैल 1995 को उत्तरी लंदन में HSS सदस्यों के समक्ष 'कोड ऑफ गाइड लाइंस टू वर्कर्स' (कार्यकताओं के लिए निर्देशात्मक नियम) विषय पर भाषण दिया था। सेवा इण्टरनैशनल के लिए सर्वप्रथम निर्देश उसकी वरीयताओं से संबंधित है। यदि SIUK की सहायता RSS नहीं करती है तो फिर विश्वभर में आर.एस.एस के प्रमुख नेताओं ने निर्देशक क़ानून उपलब्ध कराने की आवश्यकता क्यों महसूस की?

RSS के प्रकाशनों में SIUK और कल्याण आश्रम ट्रस्ट ब्रिटिश का उदाहरण आर.एस.एस (संघ) की ब्रिटिश संस्था या 'विदेशों में संघ का कार्य' के रूप में प्रस्तुत की जाती है। गुजरात में दिसम्बर 1995 में होने वाले वर्ल्ड आर.एस.एस कैम्प के समय एक पम्फलैट प्रकाशित किया गया जिसमें HSS UK सेवा इण्टरनैशनल, कल्याण आश्रम ट्रस्ट यू.के, वी.एच.पी. यू.के. और अन्य ब्रिटिश संस्थाओं का खुलासा ब्रिटेन में आर.एस.एस के हिन्दुत्व मिशन के अंग के रूप में किया गया। आर.एस.एस. के इस पम्फलैट में एक लेख SIUK के उपाध्यक्ष ने लिखा था जिसमें ब्रिट्रेन में अयोध्या मंदिर के आंदोलन को चर्चा का विषय बनाया गया था। (अयोध्या मंदिर आंदोलन VHP/RSS की एक परियोजना थी जिसने 1992 में अवैध रूप से हिन्दुत्व भीड़ द्वारा अयोध्या में मौजूद मस्जिद को गिरा दिया था जिसके बाद सम्पूर्ण भारत में साम्प्रदायिक दंगे हुए थे। इसी प्रकार आर.एस.एस का 'सेवा विभाग' यह भी कहता है कि सेवा इण्टरनैशनल आर.एस.एस की परियोजना है जो संघ की विचारधारा के अन्तर्गत कार्य करती है।

SIUK के वेबसाइट में इसके RSS की परियोजनाओं के साथ गहरे संबंधों को दिखाया गया है, यद्यपि इसमें आर.एस.एस का नाम नहीं लिया गया है। SIUK का फण्ड प्राप्त करने वाले सेवा भारती गुजरात के मुख्य व्यक्ति का ई–मेल पता इस प्रकार प्रारम्भ होता है: rssgujarat@ इसी प्रकार सेवा भारती गुजरात के लैटरपेड में यह लिखा है 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रेरणा प्राप्त करने वाली संस्था' SIUK का पता HSS UK कालसीस्टर कार्यालय है जिसका उद्घाटन 1995 में स्वयं आर.एस.एस के पूर्व प्रमुख राजेन्द्र सिंह ने किया था। SIUK/HSS के प्रधान कार्यालय को 'केशव प्रतिष्ठान' कहा जाता है। जिसका नाम आर.एस.एस के संस्थापक केशव बलीराम हैडगवार के नाम पर पड़ा है।